

Exh.15

वि.प्र.सं. नं. ०५/२६

मे. विवाही व्यापारिगणों के हस्त राधाकृष्ण

गोपे कीर्ति

मानुष्य शाश्वत युगा

... अर्थात्

पि.

कोमल नदी

... विप

वि.

बीजों की मूल्यवान् कृता... की. पार्थ

अर्थात्

यदि अर्ध पार्थ अर्थात् लक्ष्मी की

प्रस्तुत करी आदिनी की महामोक्ष

कागद हस्त कर अर्थात् लक्ष्मी शिवोपकाशदपत्र या-

करी हात्कल दीर्घविषयी मे. कीर्ति ने

किंती शो

राधाकृष्ण

मे. शा. लो.

ता. 13/07/2028

pl

Order-

Production is allowed.

Sd/-

Jt.C.J.J.D.,Radhanagari.

Dt. 14/07/2026